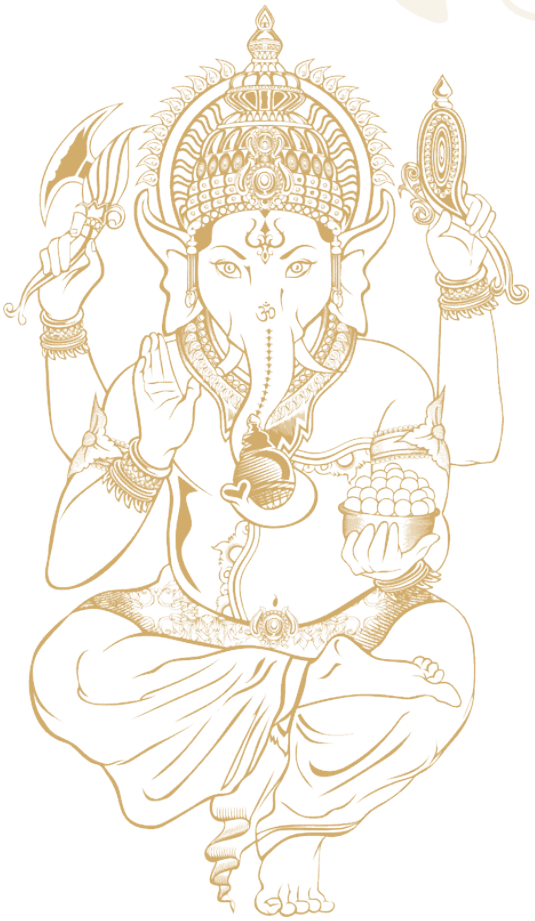

Hemant

Dhanshri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121600602

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
24-25/09/2000 :	जन्म तिथि	: 11-12/05/2001
रवि–सोमवार :	दिवस	: शुक्र–शनिवार
कला 04:00:00 :	जन्म समय	: 01:32:00 कला
घटी 54:33:23 :	जन्म समय(घटी)	: 49:57:10 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Delhi
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
कला -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 कला
कला 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 कला
06:10:38 :	सूर्योदय	: 05:33:08
18:15:05 :	सूर्यास्त	: 19:02:18
23:51:46 :	लाहिरी अयनांश	: 23:52:16

विंशोत्तरी
बुध 0वर्ष 2मा 26दि

शुक्र	22/04/2011
रवि	22/04/2012
चन्द्र	21/12/2013
मंगळ	20/02/2015
राहु	20/02/2018
गुरु	21/10/2020
शनि	22/12/2023
बुध	22/10/2026
केतु	22/12/2027

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	सिंह	08:46:37
सूर्य	कन्या	08:18:07
चंद्र	कर्क	29:48:44
मंगळ व	सिंह	11:07:47
बुध	तुला	01:28:48
गुरु	वृष	17:20:10
शुक्र	तुला	06:29:51
शनि	वृष व	06:58:37
राहु	मिथु व	28:17:55
केतु	धनु व	28:17:55
हर्ष	मक व	23:26:09
नेप व	मक व	10:02:36
प्लूटो व	वृश्चि	16:37:30

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	कुंभ	04:42:47
सूर्य	मेष	27:18:16
चंद्र	धनु	17:53:13
मंगळ व	धनु	05:10:41
बुध	वृष	16:07:25
गुरु	वृष	21:58:17
शुक्र	मीन	15:15:47
शनि	वृष	08:43:24
राहु	मिथु	13:17:25
केतु	धनु	13:17:25
हर्ष	कुंभ	00:50:12
नेप व	मक	14:54:21
प्लूटो व	वृश्चि	20:39:57

विंशोत्तरी
शुक्र 13वर्ष 2मा 1दि

चन्द्र	13/05/2021
मंगळ	12/12/2021
राहु	13/06/2023
गुरु	12/10/2024
शनि	13/05/2026
बुध	12/10/2027
केतु	12/05/2028
शुक्र	11/01/2030
रवि	13/07/2030

शुक्र
22/12/2007
22/12/2027

चन्द्र
12/07/2020
13/07/2030

लग्न–चलित

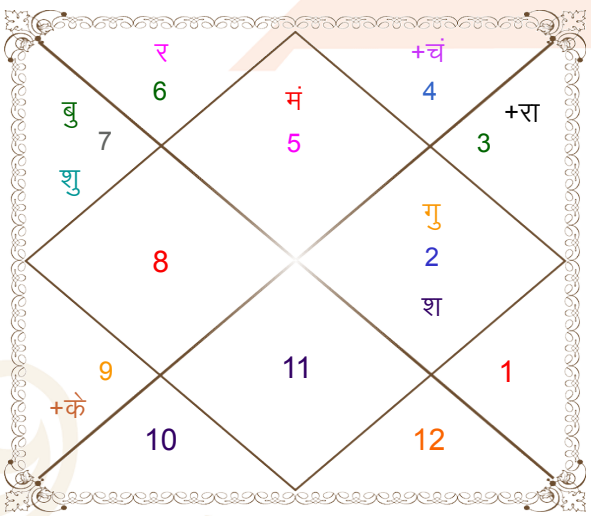

लग्न–चलित

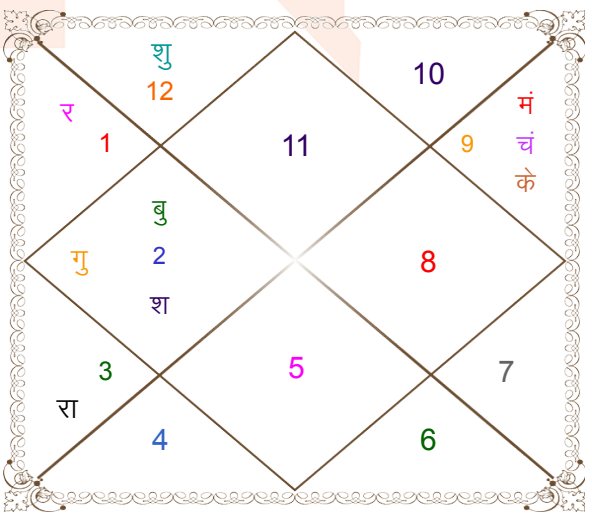

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	––	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	––	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	––	भाग्य
योनि	मांजर	वानर	4	2.00	––	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	गुरु	5	4.00	––	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	आह	सामाजिकता
भकूट	कर्क	धनु	7	0.00	आह	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	––	स्वास्थ्य/संतान
एकुण :			**36**	**17.50**		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भ्मउंदज का वर्ग श्वान है तथा कींदीतप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार भ्मउंदज और कींदीतप का मिलान ठीक नाहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

भ्मउंदज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कींदीतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगळ कींदीतप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

भ्मउंदज तथा कींदीतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।